राजस्थानी संवाद कौशल

(Rajasthani Communication Skills)

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

अवधि : 3 माह

2025-2026

नई शिक्षा नीति–2020

राजस्थानी भाषा-साहित्य शोध केन्द्र

जैन विश्वभारती संस्थान

लाडनूँ–341306 (राजस्थान)

जैन विश्वभारती संस्थान

राजस्थानी भाषा साहित्य शोध केन्द्र

पाठ्यक्रम रूपरेखा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम : राजस्थानी संवाद कौशल

Rajasthani Communication Skills

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

अवधि : 3 माह

अध्ययन प्रणाली : ऑनलाइन एवं ऑफ लाइन

शैक्षणिक योग्यता : सीनियर सैकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण

अध्यापन प्रणाली : (Mode of Teaching)

- यह पाठ्यक्रम प्रत्यक्ष शिक्षण कक्षा अध्यापन (Off Line) के साथ–साथ दूरस्थ शिक्षण (On Line) भी उपलब्ध रहेगा। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार अपना विकल्प का चयन कर सकेंगें।

पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं उपादेयता

- राजस्थानी सवांद कौशल पाठ्यक्रम राजस्थानी भाषा के जिज्ञासुओं के शिक्षण हेतु प्रस्तावित किया गया है। यह पाठ्यक्रम राजस्थानी एवं प्रवासी राजस्थानी लोगों के लिए राजस्थानी भाषा में संवाद कौशल के साथ–साथ लेखन कला दक्षता को विकसित करने के उद्देश्य की दृष्टि से संयोजित किया गया है।
- यह पाठ्यक्रम राजस्थानी भाषा, साहित्य, कला, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परम्परा के साथ–साथ राजस्थानी लोकमानस के अध्ययन हेतु भी उपयोगी सिद्ध होगा।

पाठ्यक्रम : अध्ययन क्षेत्र

- प्रारम्भ में वर्णमाला, राजस्थानी शब्द संरचना, वाक्य संयोजन के साथ–साथ राजस्थानी व्याकरण का सामान्य ज्ञान।
- राजस्थानी शब्द संपदा का ज्ञान : शब्दों के विविध रूप एवं प्रकार
- दैनिक, व्यवहार, परिवार, कार्य–व्यापार, कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों पर राजस्थानी भाषा का प्रयोग एवं संवाद कौशल
- राजस्थानी भाषा में लेखन, वाचन एवं वक्तृत्व कला में दक्षता

- राज़स्थानी भाषा के अध्ययन के साथ–साथ राजस्थान लोक संस्कृति एवं साहित्य, यथा–षोड्स संस्कार, पर्व उत्सव, त्यौहार, वस्त्राभूषण, लोकगीत, लोककथा, लोकनृत्य, लोकोक्ति साहित्य एवं लोक कलाओं का परिचय प्राप्त करना।

- राजस्थानी भाषा में पत्र लेखन–सरकारी, गैर सरकारी, पारिवारिक, निमंत्रण पत्र, ईमेल, सीवी प्रस्तुति, ब्लॉग लेखन एवं प्रस्तुति, समाचार लेखन एवं वाचन, रिपोर्ट लेखन एवं प्रस्तुति।

- राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन का अभ्यास

Duration	Lecture		Total Lectures			Mode	M.M.
	Theory Per Month	Practical Per month	Theory	Practical	Total	Off Line and	60+40=100
3 Months	10	05	30	15	45	On Line	

पाठ्यक्रम–प्रश्न पत्र का प्रारूप

इकाई : 1 वर्णमाला–विशेष राजस्थानी वर्ण एवं ध्वनियां, राजस्थानी व्याकरण का सामान्य ज्ञान।

इकाई : 2 राजस्थानी वार्तालाप : दैनिक व्यवहार में घर परिवार, व्यापार, कार्यस्थल एवं बाहरी जगत् से संवाद एवं अभिवादन की कला, अनुवाद अभ्यास : हिन्दी से राजस्थानी, अंग्रेजी से राजस्थानी, अंग्रेजी एवं हिन्दी से राजस्थानी।

इकाई : 3 लोकसाहित्य का सामान्य परिचय, राजस्थानी लोकसाहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय यथा–लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्ति, मुहावरे एवं पहेलियां।

इकाई : 4 राजस्थानी लोकसंस्कृति का सामान्य परिचय, संस्कार, रीति–रिवाज, व्रत त्यौहार, लोक देवी–देवता, वस्त्र–आभूषण, लोककला, मांडणा, हस्तकला, तीर्थ, मेला एवं उत्सव, लोक संगीत एवं वाद्य, खेल, पारंपरिक खान–पान, पाक कला, खेतीबाड़ी, कृषिकला, दैनिक उपयोग के उपकरण एवं औजार।

इकाई : 5 राजस्थानी भाषा में कथावाचन, पत्रवाचन, समाचार वाचन, रिपोर्ट, ई–मेल, सी.वी., ब्लॉग, लेखन एवं प्रस्तुति।

प्रायोगिक–अपनी रुचि के अनुसार, कथा, कविता, गीत सुनाना, रिर्पोट तैयार कर सुनाना, अनुवाद–हिन्दी अथवा अंग्रेजी से राजस्थानी, राजस्थानी का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद एवं प्रस्तुति।

- प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन पद्धति के अनुसार।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा और व्याकरण : सीताराम लालस : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डॉ. देव कोठारी, साहित्य संस्थान (इंस्टीट्युट ऑफ राजस्थान स्टडीज), राजस्थानी विद्यापीठ, उदयपुर
3. राजस्थानी व्याकरण : डॉ. सोहनदान चारण, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. राजस्थानी लोकसाहित्य का सैद्वान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर